प्रथम आम चुनाव 1951-52

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

जैसे-जैसे **भारत में 2024 के आम चुनाव नज़दीक** आ रहे हैं, वैसे ही 1951-52 में हुए देश के पहले लोकसभा चुनाव, इसके ऐतिहासिक महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। यह उद्घाटन चुनाव **भारत के लोकतांत्रिक विकास** में एक निर्णायक क्षण था।

भारत के पहले आम चुनाव के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **ऐतिहासिक मतदान:**
  - स्वतंत्र भारत का पहले आम चुनाव 25 अक्तूबर, 1951 और 21 फरवरी, 1952 के बीच हुए थे।
  - यह एक वृहद प्रक्रिया थी जिसमें **विश्व की जनसंख्या का छठा हिस्सा मतदान** करने जा रहा था, जिससे यह उस समय दुनिया में आयोजित सबसे बड़ा चुनाव बन गया।
    - **अंततः देश भर से (जम्मू-कश्मीर को छोड़कर) 17.32 करोड़ मतदाता मतदान देने के लिये नामांकित हुए, और इनमें लगभग 45% महिलाएँ थीं।**
  - 21 वर्ष से अधिक आयु के **176 मिलियन मतदाताओं के साथ (मतदान की आयु 1989 में इकसठवाँ संविधान (संशोधन) अधिनियम, 1989 के पारित होने के साथ केवल 18 वर्ष कर दी गई थी),** यह पहली बार था कि सार्वभौमिक मतदान का इतने बड़े पैमाने पर अभ्यास किया गया। वयस्क मताधिकार लागू किया गया था, और इनमें से 82% मतदाता निरक्षर थे।
- **कानूनी ढाँचा:**
  - संसद ने मतदाता योग्यता, निर्वाचन मशीनरी और अन्य निर्वाचन प्रक्रियाओं के लिये आधार तैयार करते हुए **लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951** को अधिनियमित किया।
  - [भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI)](#) की स्थापना **जनवरी, 1950** में की गई थी, जिसमें **सुकुमार सेन पहले [मुख्य निर्वाचन आयुक्त](#) के तौर पर नियुक्त हुए** थे।
- **निर्वाचन मशीनरी:**
  - निरक्षर मतदाताओं की सहायता के लिये **रंगीन मतपेटियों और 1 रुपए के नोट के आकार के मतपत्रों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया।**
    - **वर्ष 1951 में भारत की साक्षरता दर कम होने (18.33%)** के कारण प्रत्येक उम्मीदवार के लिये अलग-अलग रंग की मतपेटियों का उपयोग करने का विचार आया, लेकिन इसे अव्यवहारिक माना गया। इसके बजाय, सभी बूथों पर प्रत्येक उम्मीदवार के लिये अलग-अलग मतपेटियों का उपयोग करने का निर्णय लिया गया, जिस पर उम्मीदवार का चुनाव चिह्न अंकित होना था।
    - **मतपत्र गुलाबी रंग** के होने के साथ "भारत निर्वाचन आयोग" और राज्य को दर्शाने वाले दो अक्षरों वाले क्रमांक को शामिल किया गया- जैसे हैदराबाद राज्य के लिये HY, बिहार के लिये BR, असम के लिये AS, आदि।
- **राजनीतिक परिदृश्य और पार्टी की भागीदारी:**
  - वहाँ 53 **राजनीतिक दल थे जिनमें से 14 राष्ट्रीय** थे। इनमें भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी, किसान मज़दूर प्रजा पार्टी और अखिल भारतीय हिंदू महासभा समेत अन्य समूह शामिल थे।
- **चुनाव परिणाम:**
  - **जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** प्रमुख राजनीतिक बल के रूप में उभरी, जिसने 489 लोकसभा सीटों में से 318 सीटें प्राप्त कीं और सत्तारूढ़ दल के रूप में अपनी स्थिति मज़बूत की।
    - पहले **लोकसभा चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (Communist Party of India- CPI) उपविजेता** बनकर उभरी, उसके बाद सोशलिस्ट पार्टी और अन्य राजनीतिक दल रहे।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पहली लोक सभा में विपिक्ष में सबसे बड़ा राजनीतिकि दल स्वतंत्र पार्टी था।
2. लोक सभा में ''नेता-प्रतपिक्ष'' को सर्वप्रथम 1969 में मान्यता दी गई थी।
3. लोक सभा में यदि किसी दल के न्यूनतम 75 सदस्य न हों तो उसके नेता को नेता-प्रतपिक्ष के रूप में मान्यता नहीं मिल सकती है।

उपर्युत्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजियि: (2017)

1. भारत का निर्वाचन आयोग पाँच-सदस्यीय निकाय है।
2. संघ का गृह मंत्रालय, आम चुनाव और उप-चुनावों दोनों के लिये चुनाव कार्यक्रम तय करता है।
3. निर्वाचन आयोग मान्यता-प्राप्त राजनीतिकि दलों के विभाजन/विलिय से संबंधित विवाद निपटाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/first-general-election-1951-52